राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 313 | जौनपुर | गुरूवार, 03 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दलाई लामा ने उत्तराधिकारी के नाम का ऐलान करने से किया इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दलाई लामा ने घोषणा की है कि दलाई लामा की सदियों पुरानी संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जारी रहेगी। यह निर्णय तिब्बती बौद्धों और वैश्विक समर्थकों के लिए बहुत मायने रखता है, जो उन्हें शांति, करुणा और सांस्कृतिक अस्तित्व के प्रतीक के रूप में देखते हैं। 6 जुलाई को अपने 90वें जन्मदिन से पहले, दलाई लामा ने बताया कि पिछले 14 वर्षों में, उन्हें परंपरा को जारी रखने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए हैं। ये अपीलें निर्वासित तिब्बती समुदायों, हिमालयी क्षेत्र, मंगोलिया, रूस, चीन और तिब्बत के अंदर से बौद्धों की ओर से आई हैं। दलाई लामा ने औपचारिक रूप से पुष्टि की है कि दलाई लामा की 600 साल पुरानी संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जारी रहेगी, उन्होंने बुधवार (2 जुलाई, 2025) को एक निश्चित बयान जारी किया, जो तिब्बत की सबसे पवित्र परंपराओं में से एक के भविष्य के बारे में वर्षों की अनिश्चितता को समाप्त करता है। यह निर्णय दलाई लामा की पिछली स्थिति से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने संस्था के भविष्य के बारे में अपनी लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता का हवाला देते हुए कहा, ष्1969 में ही मैंने स्पष्ट कर दिया था कि संबंधित लोगों को यह तय करना चाहिए कि दलाई लामा के पुनर्जन्म को भविष्य में जारी रखना चाहिए या नहीं। उन्होंने पहले यह भी कहा था, ष्जब मैं लगभग नब्बे साल का हो जाऊंगा, तो मैं तिब्बती बौद्ध परंपराओं के उच्च लामाओं, तिब्बती जनता और तिब्बती बौद्ध धर्म का पालन करने वाले अन्य संबंधित लोगों से परामर्श करूंगा, ताकि यह पुनर्मूल्यांकन किया जा सके ।

उप्र में स्कूलों को जोड़ने की नीति के खिलाफ एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने उत्तर प्रदेश सरकार के 50 से कम छात्रों वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों को पास के संस्थानों के साथ जोड़े जाने के हालिया फैसले के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन किया। एनएसयूआई का दावा है कि इस कदम से 27 हजार से अधिक स्कूल बंद हो जाएंगे। एनएसयूआई के मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष अनस रहमान और पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ऋषभ पांडे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्रों ने कांग्रेस कार्यालय से विधानसभा की ओर मार्च किया। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों की उनसे झड़प हुई। रहमान ने संवाददाताओं से कहा, सरकार का लक्ष्य सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसे बनाए रखने के बजाय, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार असहमति को दबाने के लिए ग्रामीण छात्रों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर स्कूलों के समायोजन का निर्णय वापस नहीं लिया गया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, (एजेंसी)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। 6 यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

तुष्टिकरण की राजनीति कर रही कांग्रेस : राजीव चंद्रशेखर

केरल, (एजेंसी)। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि हम कांग्रेस की ऐसी देश विरोधी पार्टियों को मुख्यधारा में लाने की राजनीति को उजागर कर रहे हैं। यह पहली बार है जब कांग्रेस ने जमात–ए–इस्लामी के दबाव में आकर उनके साथ गठबंधन की घोषणा की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि जमात–ए–इस्लामी धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ संगठन है। कांग्रेस पहले भी इसे खतरनाक बता चुकी है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि नीलांबुर उपचुनाव में कांग्रेस ने खुलेआम और औपचारिक तौर पर जमात–ए–इस्लामी से समर्थन लिया और जीत हासिल की। एक तरफ वे संविधान और धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ वे देश विरोधी दलों के साथ अवसरवादी राजनीति कर रहे हैं। हाल ही में खड़गे साहब ने कहा, ष्जब लोग आपातकाल को भूल चुके हैं, तो आप 50 साल क्यों मना रहे हैं? राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि हम कांग्रेस की

ऐसी देश विरोधी पार्टियों को मुख्यधारा में लाने की राजनीति को उजागर कर रहे हैं। यह पहली बार है जब कांग्रेस ने जमात–ए–इस्लामी के दबाव में आकर उनके साथ गठबंधन की घोषणा की है।

भविष्य में भी त्रि–भाषा नीति स्वीकार नहीं करेंगे : संजय राउत

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा त्रि–नीति लागू करने का आदेश वापस लेने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने बुधवार को कहा कि वे भविष्य में भी ऐसी नीति को स्वीकार नहीं करेंगे। महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच रविवार को राज्य सरकार ने 'त्रि–भाषा' नीति पर सरकारी आदेश को वापस ले लिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसके बाद नीति के कार्यान्वयन और आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। राउत ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दावा किया, "फडणवीस को समितियां और विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का शौक है लेकिन वह करते कुछ नहीं।" उन्होंने कहा, "जाधव सम्मानित अर्थशास्त्री हैं, लेकिन इस समिति की अब कोई

प्रासंगिकता नहीं है। हम भविष्य में भी त्रि–नीति को स्वीकार नहीं करेंगे।" आदेश वापस लिए जाने के बाद शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे नीत महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा पांच जुलाई को मुंबई में संयुक्त रूप से 'मराठी विजय दिवस' आयोजित करने की योजना पर राज्यसभा सदस्य ने कहा कि दोनों पार्टियों के नेता चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमने प्रमुख नेताओं और जनता को आमंत्रित किया है। सरकारी आदेश रद्द होने की सफलता मराठी लोगों की है। हम केवल आयोजक हैं। यहां तक कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे और हमारे नेता उद्धव ठाकरे से भी सलाह ली गई है।" राउत ने कहा, "बहुत कम वक्त बचा है। हम व्यक्तिगत रूप से सभी को आमंत्रित नहीं कर सकते हैं।" उन्होंने फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए।

आरजेडी, कांग्रेस ने राज्य को पिछड़ेपन और अपराध की गर्त में धकेला : राजनाथ सिंह

बिहार, (एजेंसी)। बिहार चुनाव से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पटना के दौरे पर हैं। इस दौरान राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंका और उनको जीत का मंत्र दिया। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा में हर कोई कार्यकर्ता की भावना से काम करता है, चाहे वह किसी भी पद पर हो। यही हमारी पार्टी की मजबूती का आधार है और इसी का परिणाम है कि भाजपा आज पूरे विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह केवल एक संगठन की बैठक नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पूर्ति के लिए एक संकल्प सभा है, जिसे

हमें बिहार और भारत दोनों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लेना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में दिखाया है कि भारत बदल सकता है और आगे बढ़ सकता है, बशर्ते नेतृत्व मजबूत हो, नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। हमें बिहार के हर निवासी के दिल में यही विश्वास जगाना है। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना। जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है...ऐसी नीतियां बनाना है जिसमें समाज के हर वर्ग का विकास हो। सभी को आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले, यह भी हमारी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत हैं। राजनाथ ने कहा कि लालूजी के मुख्यमंत्री रहते समय कर्पूरी जी की विरासत और मूल्यों दोनों को हाशिए पर डाल दिया गया। यहाँ तक की न कोई स्मृति स्थल, न कोई ठोस योजना उनके नाम पर, न कोई विचारधारा का प्रचार। मोदी जी ने न सिर्फ कर्पूरी जी का नाम नई पीढ़ी को फिर से याद दिलाया, बल्कि उनकी जीवन शैली और सिद्धांतों को 21वीं सदी की राजनीति का आदर्श बनाया।

मायावती ने सरकारी स्कूलों के विलय का किया विरोध

गोरखपुर, (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय को अनुचित और गरीब विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए और अगर नहीं लेती है तो बसपा की सरकार आने पर इस फैसले को निरस्त किया जाएगा। उन्होंने एक्स पर कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के युग्मनएकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया गया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर

यह अनुचित, गैर–जरूरी एवं गरीब–विरोधी प्रतीत होता है। सरकार से अपील है कि वह अपना युग्मनएकीकरण का यह फैसला गरीब छात्र–छात्राओं के व्यापक हित में तुरन्त वापस ले। यदि सरकार अपना यह फैसला वापस नहीं लेती है तो फिर हमारी पार्टी इनके सभी माता–पिता व अभिभावकों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि हमारी पार्टी बसपा की सरकार बनने पर फिर इस फैसले को रद्द करके पुनः प्रदेश में पुरानी व्यवस्था बहाल करेगी। वैसे उम्मीद है कि यूपी सरकार गरीबों व आमजन की शिक्षा के व्यापक हित के मद्देनजर अपने इस फैसले को बदलने के बारे में जरूर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी। रेलवे के टिकट महंगे करने पर केंद्र पर साधा निशाना इसके पहले उन्होंने रेलवे टिकट महंगे करने और बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश लोग महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व कमाई घटने से परेशान हैं। ऐसे में केंद्र सरकार की ओर से रेल का किराया बढ़ाना जनहित के खिलाफ है। यह संविधान के कल्याणकारी उद्देश्य के बजाय व्यावसायिक सोच वाला फैसला ज्यादा लगता है। सरकार को इस पर तुरंत पुनर्विचार करना चाहिए। देश की आबादी में से लगभग 95 करोड़ लोग सरकार की कम से कम किसी एक सामाजिक कल्याण योजना का लाभार्थी बनने को मजबूर हुए हैं, ।

5 साल तक कर्नाटक का सीएम बना रहूंगा, अटकलों को दरकिनार करते हुए : सिद्धारमैया

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को दरकिनार करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहते हैं। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना के दावों के बीच सिद्धारमैया ने कहा, ष्हां, मैं मुख्यमंत्री के तौर पर काम करना जारी रखूंगा। आपको संदेह क्यों है?ष् उन्होंने भाजपा और जद (एस) पर यह दावा करने के लिए हमला किया कि राज्य में कांग्रेस में आंतरिक दरार है। उन्होंने पूछा, ष्क्या वे कांग्रेस आलाकमान हैं? इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी मतभेद की जरूरत नहीं है। शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, ने यह स्पष्ट करते हुए

कि पार्टी अनुशासन महत्वपूर्ण है, कहा कि उन्होंने किसी से उन्हें सीएम बनाने के लिए नहीं कहा है, और चेतावनी दी है कि नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान देने वाले नेताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे। डीकेएस ने सत्ता परिवर्तन की चर्चा पर विराम लगाते हुए कहा कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा और वह नहीं चाहते कि कोई उनका समर्थन करे। शिवकुमार ने कहा कि किसी को डरने की जरूरत नहीं है। हम पूरे देश में ब्लॉक और जिला स्तर पर संगठनात्मक बदलाव कर रहे हैं। हम विभिन्न विधायकों द्वारा दिए गए बयानों को सुन रहे हैं। पार्टी में अनुशासन लाने की जरूरत है। अनुशासन महत्वपूर्ण है। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैंने किसी से मेरा नाम लेने या मुझे मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। जब मुख्यमंत्री (सिद्धारमैया) हैं, तो किसी भी तरह के विवाद की कोई जरूरत नहीं है।

कांग्रेस नेता ने सिक्किम को पड़ोसी देश कहने पर मांगी माफी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिक्किम पर अपने बयान के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कांग्रेस नेता अजय कुमार की आलोचना करने के एक दिन बाद, कुमार ने बुधवार को एक स्पष्टीकरण जारी

किया जिसमें कहा गया कि यह जुबान फिसलने की वजह से हुआ और उन्होंने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। कांग्रेस नेता का एक कथित वीडियो सामने आने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जिसमें कुमार को सिक्किम को पड़ोसी देश कहते हुए सुना जा सकता है। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने अपनी गलती को स्पष्ट करते हुए कहा कि कल अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जब मैं अपने पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते संबंधों के बारे में बोल रहा था, तो मैंने गलती से एक राज्य का नाम ले लिया। मैं इसके लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं, क्योंकि यह अनजाने में जुबान फिसलने की वजह से हुई मानवीय भूल थी। इस बीच, भाजपा की सिक्किम इकाई ने कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए अपमानजनक और अज्ञानतापूर्ण बयान की कड़ी निंदा की। भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह बेहद निंदनीय है कि एक पूर्व आईपीएस अधिकारी और सांसद भारत के इतिहास और भूगोल के प्रति इतनी भयावह अवहेलना प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी को तुरंत अपने नेताओं को ऐसी शर्मनाक गलतियों को रोकने के लिए शिक्षित करना चाहिए। यह शर्मनाक टिप्पणी सबसे कड़ी निंदा की हकदार है। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पार्टी पर जिन्ना के पदचिन्हों पर चलने और देश को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ष्कांग्रेस पार्टी जिन्ना के पदचिन्हों पर चल रही है।

जनता कर्ज में डूब रही और मोदी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने व्यक्तिगत कर्जदारों के प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि को लेकर बुधवार को केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि सरकार आंकड़ों और विशेषज्ञों का सहारा लेकर वास्तविक कमियों को छिपाने का लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन ष्मोदी राजष् में देश पर कर्ज का बोझ चरम पर है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सरकार पर हमला करने के लिए मीडिया रिपोर्टों के स्क्रीनशॉट साझा किए। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई प्रयास नहीं किया गया, केवल पूंजीपति मित्रों के लिए सारी नीतियां बनाई गईं, जिसके नुकसान आज देश की जनता

भुगत रही है। यह सच्चाई किसी न किसी तरह हर रोज हमारे सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट से भारत की अर्थव्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। सरकार कि ओर से आंकड़ेबाजी और एक्सपर्ट्स का सहारा लेकर असली कमियों को छुपाने की कोशिश लगातार जारी है, लेकिन इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता कि देश पर कर्ज का बोझ मोदीराज में चरम पर है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2 साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 90,000 बढ़कर 4.8 लाख हो गया है। आमदनी का 25.7% हिस्सा सिर्फ कर्ज चुकाने में जा रहा है। सबसे ज्यादा 55: लोन तथाकथित रूप से क्रेडिट कार्ड, मोबाइल म्ड्य आदि के लिए जा रहा है, जिसका मतलब है इस महंगाई में परिवारों की आय में उनका गुजारा नहीं हो रहा है और वे कर्ज लेने पर मजबूर हैं। असुरक्षित कर्ज 25% पार हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि मार्च 2025 तक भारत पर दूसरे देशों बाहरी कर्ज 736.3 बिलियन डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा है। रमेश ने कहा कि युवाओं को नौकरी नहीं, किसान आत्महत्या कर रहे, महंगाई से जनता त्रस्त, संस्थाओं को कुचला जा रहा है। उन्होंने तंज लहजे में कहा कि जनता कर्ज में डूब रही है और मोदी जी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं, उनकी संपत्ति बढ़ती ही जा रही है। सीधा सवाल यह है कि जब सारे सरकारी प्रोजेक्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप या प्राइवेट भागीदारी से ही हो रहे हैं ।

संपादकीय

डिजिटल चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज–सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन–देन किए गए हैं। इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल–टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण रू दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। जिसके अनुसार साल 2025 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लगभग आधी महिलाओं के पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं थे। इसके निष्कर्ष एक महीने पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भी जारी किए गए थे। वहीं इसी तरह एक और आंख खोलने वाली बात शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट में भी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था।

पहाड़ों की संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी

पंकज

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों कुदरत ने रौद्र रूप ध ारण किया है। छोटे से राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक आई तेज बरसात और जमीन खिसकने से त्रस्त है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। आषाढ़ में मानसून की पहली बौछार के साथ ही कई जिलों, विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की

घटनाएं हुई हैं। इससे कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। कुल्लू और ध ार्मशाला जिलों में अनेक जगह बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई है और अनेक लापता हैं। पिछले एक हफ्ते में कम से कम 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कांगड़ा के खनियारा क्षेत्र में इंदिरा हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास फ्लैश फ्लड में 20 मजदूर बह गए, जिनमें से कुछ के शव बरामद हुए हैं, बाकी की तलाश जारी है। कुल्लू की सेंज घाटी में तमाम पर्यटक फंसे हुए हैं। यहां बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोग बह गए। ध ार्मशाला–चतरो–गगल मार्ग और अपर शिमला क्षेत्र में त्यूणी–हाटकोटी मार्ग जैसे कई प्रमुख मार्ग भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी तो सावन–भादों आगे हैं। दुखद यह कि वैज्ञानिकों द्वारा इस बारे में दी गई ढेर सारी चेतावनियां फाइलों में बंद हैं। सरकारी महकमे अपने ढर्रे पर काम कर रहे हैं जबकि पहाड़ जलवायु परिवर्तन के विविध ा कुप्रभावों से ग्रस्त हैं। इसी साल 14–15 फरवरी को आईआईटी, बॉम्बे में सम्पन्न दूसरे इंडियन क्रायोस्फीयर मीट में आईआईटी रोपड़ के वैज्ञानिकों ने एक शोध पत्र प्रस्तुत कर बताया था कि हिमाचल राज्य का 45 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। 5.9 डिग्री और 16.4 डिग्री के बीच औसत ढलान वाले और 1,600 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्र विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ दोनों के लिए प्रवण हैं। इस बैठक में दुनियाभर के लगभग 80 ग्लेशियोलॉजिस्ट, शोधकर्ता और वैज्ञानिक शामिल हुए। इतनी स्पष्ट चेतावनी के बावजूद न समाज चेता और न ही सरकार।

नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रह गई। यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है। प्रदेश में 17,120 स्थान भूस्खलन संभावित क्षेत्र अंकित हैं, जिनमें से 675 बेहद संवेदनशील मूलभूत सुविधाओं और घनी आबादी के करीब हैं। भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिला को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर के बटसेरी और न्यूगलसरी में दो हादसों में ही 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ–साथ आईआईटी, मंडी व रुड़की के विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है। हिमाचल सरकार की डिजास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित एक 'लैंडस्लाइड हैजार्ड रिस्क असेसमेंट' अध्ययन ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में, एक हजार मेगावाट की करचम और 300 मेगावाट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझनी होगी कि वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है। यदि गंभीरता से देखें तो इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं हैं। दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंगें बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे, तब हिमाचल की जल धाराओं पर छोटे–बड़े बिजली संयंत्र लगाकर उसे विकास का प्रतिमान निरुपित किया जा रहा था। कहने को तो प्रदेश के 50 स्थानों पर आईआईटी, मंडी द्वारा विकसित आपदा पूर्व सूचना यंत्र लगाये गए हैं। लेकिन आपदाएं बताकर नहीं आतीं। कई शोध पत्र कह चुके हैं कि हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं से चार किस्म की दिक्कतें आ रही हैं। पहला इसका भूवैज्ञानिक प्रभाव है, जिसके तहत भूस्खलन, तेजी से मिट्टी का ढहना शामिल है। यह सड़कों, खेतों, घरों को क्षति पहुंचाता है। दूसरा प्रभाव जलभूवैज्ञानिक है जिसमें देखा गया कि झीलों और भूजल स्रोतों में जल स्तर कम हो रहा है। तीसरा नुकसान है– बिजली परियोजनाओं में नदियों के किनारों पर खुदाई और बह कर आये मलबे के जमा होने से वनों और चरागाहों में जलभराव बढ़ रहा है। ऐसी परियोजनाओं का चौथा खतरा है, सुरक्षा में कोताही के चलते हादसों की संभावना। हमेंउन परियोजनाओं से बचना है, जो हिमालय पहाड़ के मूल स्वरूप पर खतरा हों।

हिंदी के विरोध की संकीर्ण राजनीति

विश्वनाथ

आपातकाल में हमारे संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द जोड़े गये थे– पहला 'पंथ निरपेक्षता' और दूसरा समाजवाद। संविधान जब तैयार किया जा रहा था तब भी इन शब्दों की आवश्यकता की चर्चा हुई थी, पर तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि यह दोनों विचार संविधान में अन्यत्र स्पष्ट रूप से जुड़े हुए हैं, अतरू इन्हें अलग से प्रस्तावना में जोड़ना आवश्यक नहीं है। जब आपातकाल के दौरान इन्हें जोड़ा गया तो तर्क यह दिया गया था कि यह दोनों विचार प्रमुखता के साथ रेखांकित होने चाहिए। संविधान के 42वें संशोधन से इसे रेखांकित कर दिया गया। बाद की जनता पार्टी की सरकार ने भी इस बात को मान लिया। पचास साल बाद यह विवाद फिर सिर उठा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को यह लग रहा है कि इन दोनों शब्दों को प्रस्तावना से हटा कर अब अपनी विचारधारा को संविधान में शामिल किया जा सकता है। और यदि संख्या की दृष्टि से फिलहाल संविधान में प्रयुक्त संशोधन नहीं हो सकता तो भी देश में अपने विचार के समर्थन में वातावरण बनाने का यह अच्छा मौका है। ऐसी ही एक कोशिश महाराष्ट्र में भी हो रही हैदृ राज्य की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने केंद्र की नयी शिक्षा–नीति को लागू करने की प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए यह निर्णय लिया था कि राज्य में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किया जाये। इस फार्मूले के अनुसार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाई जानी थी। विपक्ष, विशेषकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को, सरकार के इस निर्णय का विरोध करके अपनी जमीन को मजबूत करने का अवसर दिखाई दिया। उद्धव ठाकरे ने घोषणा कर दी कि उनकी पार्टी इस निर्णय को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देगी। लगभग दो दशक पहले बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को छोड़कर अपना स्वयं का राजनीतिक दल बनाने वाले उनके भतीजे राज ठाकरे को भी इस स्थिति में एक अवसर दिखाई दिया और उन्होंने भी घोषणा कर दी कि राज्य सरकार की "मराठी विरोधी नीति" को लागू नहीं होने दिया जायेगा। कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी भी ठाकरे बंधुओं के आह्वान के साथ जुड़ गयीं। एक बार फिर राज्य में मराठी अस्मिता के नाम पर माहौल बनने लगा। स्थिति को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने यह घोषणा की कि पहली से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य रूप से नहीं पढ़ाई जायेगी, यदि बच्चे किसी अन्य भाषा को पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए स्कूलों में इसकी व्यवस्था की जायेगी, बशर्ते किसी अन्य भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम से कम बीस हो। सरकार को लगा था कि इस घोषणा से स्थिति संभल जायेगी। पर ऐसा हुआ नहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठे) और राज ठाकरे की मनसे, दोनों किसी भी कीमत पर इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे। तय हुआ कि पांच जुलाई को राज्य का समूचा विपक्ष मराठी भाषा और मराठी अस्मिता की रक्षा के नाम पर केंद्र के निर्देश से काम करने वाली महाराष्ट्र सरकार के निर्णय के विरोध में आंदोलन करेगा। बाजी हाथ से निकलते देख कर राज्य सरकार ने हिंदी की पढ़ाई वाला अपना कदम वापस लेने का निर्णय किया। अब एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है जो राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किये जाने के बारे में अध्ययन करके अपना सुझाव देगी। पर विपक्ष इस अवसर का लाभ उठाने पर आमादा है।

..... विविध .....

हार्ट अटैक का खतरा कम करने वाले 3 जरूरी टेस्ट

आज के समय में दिल की बीमारी (हार्ट डिजीज) सिर्फ बुजुर्गों की परेशानी नहीं रह गई है। बदलती जीवनशैली, तनाव, अनियमित खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी, धूम्रपान और डायबिटीज या ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की वजह से अब 30 से 40 साल की उम्र में ही हार्ट से जुड़ी समस्याएं सामने आने लगी हैं। अच्छी बात ये है कि अगर समय रहते कुछ जरूरी जांचें (टेस्ट) करवा ली जाएं तो दिल की बीमारी के खतरे को पहले ही पहचान कर उसे रोका जा सकता है। इन जांचों से हम दिल की सेहत की निगरानी रख सकते हैं और जरूरत हो तो डॉक्टर से समय पर इलाज और परामर्श ले सकते हैं।

किन लोगों को दिल की जांच जरूर करवानी चाहिए?

जिन लोगों की जीवनशैली में शारीरिक मेहनत की कमी है जो लोग अत्यधिक तनाव में रहते हैं, ध ूम्रपान करते हैं या फिर जिनको डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हैं उन सभी को समय–समय पर दिल की जांच जरूर करवानी चाहिए। साथ ही अगर परिवार में पहले किसी को हार्ट अटैक या दिल की बीमारी रह चुकी है तो खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसे में कुछ खास जांचें हैं जो दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी होती हैं। आइए जानते हैं इन जरूरी टेस्ट के बारे में विस्तार से

दिल की जांच के लिए सबसे पहली और जरूरी जांच मानी जाती है।

यह एक ऐसा टेस्ट है जो दिल की धड़कनों और इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी को रिकॉर्ड करता है।

से क्या पता चलता है?

दिल की धड़कन सामान्य है या नहीं

दिल में कोई ब्लॉकेज है या नहीं

दिल पर तनाव (स्ट्रेस) के संकेत हैं या नहीं

पहले कभी हार्ट अटैक हुआ है उसके लक्षण

अगर किसी को सीने में भारीपन, तेज धड़कन, थकावट या बेचैनी जैसी समस्याएं हो रही हों तो म्ब्ळ तुरंत करवाना चाहिए।

दिल की अंदरूनी बनावट की जांच

यानी इकोकार्डियोग्राफी, एक तरह का अल्ट्रासाउंड टेस्ट होता है जो दिल की मांसपेशियों, वाल्व और खून के बहाव (ब्लड फ्लो) को दिखाता है।

ECHO से क्या पता चलता है?

दिल कितनी अच्छी तरह से खून पंप कर रहा है

दिल के वाल्व ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं

दिल की मांसपेशियां कमजोर तो नहीं हैं

अगर किसी को सांस फूलने, जल्दी थक जाने या टांगों में सूजन जैसी परेशानी है, तो यह टेस्ट बहुत फायदेमंद हो सकता है।

स्पचपक च्तवपिसम (कोलेस्ट्रॉल की जांच) धमनियों में ब्लॉकेज का संकेत

स्पचपक च्तवपिसम टेस्ट खून में कोलेस्ट्रॉल और फैट्स (वसा) की मात्रा को मापता है।

इस टेस्ट से किन चीजों की जानकारी मिलती है?

गुड कोलेस्ट्रॉल जो दिल के लिए अच्छा माना जाता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल जो दिल की ध मनियों में ब्लॉकेज पैदा कर सकता है।

ट्राइग्लिसराइड्स, जो एक और प्रकार की हानिकारक वसा है।

अगर LDL और ट्राइग्लिसराइड्स की मात्रा ज्यादा हो, तो दिल की बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

कब कराना चाहिए?

30 साल की उम्र के बाद हर व्यक्ति को यह टेस्ट हर साल एक बार जरूर कराना चाहिए। अगर परिवार में किसी को हार्ट डिजीज रही है, तो इस जांच को और ज्यादा गंभीरता से लेना चाहिए।

ब्लड प्रेशर की नियमित जांच भी है जरूरी

ब्लड प्रेशर को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन यह दिल की बीमारी का एक बड़ा कारण बन सकता है। हाई ब्लड प्रेशर दिल पर दबाव बढ़ाता है और लंबे समय तक अनियंत्रित रहने पर दिल की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए हर व्यक्ति को 30 की उम्र के बाद से नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना चाहिए।

दिल की सेहत को बचाने के आसान उपाय

रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करें (जैसे तेज चलना, योग, साइकिल चलाना)। जंक फूड और तले–भुने खाने से दूरी बनाएं। धूम्रपान और शराब का सेवन न करें। तनाव कम करने की कोशिश करें दृ ध्यान, योग और पर्याप्त नींद इसमें मददगार हो सकते हैं। साल में कम से कम एक बार जरूरी दिल के टेस्ट कराएं।

30–40 की उम्र में ही हार्ट अटैक जैसे खतरनाक मामले सामने आना अब सामान्य हो गया है। इसलिए जरूरी है कि समय रहते हम म्ब्ळ, म्ब्द, स्पचपक च्तवपिसम और ब्लड प्रेशर जैसे जरूरी टेस्ट कराएं। ये टेस्ट ना सिर्फ बीमारी को पकड़ सकते हैं, बल्कि समय रहते इलाज और जीवनशैली में बदलाव करके हम बड़ी मुसीबत से बच सकते हैं।

सावन में श्रृंगार के लिए लें दिग्गज अदाकारा रेखा से लें स्टाइलिंग टिप्स

सावन का महीना जल्द ही आने वाला है और इस मौके पर खुद को स्टाइलिश और खूबसूरत दिखाना हर किसी की इच्छा होती है। ऐसे में बॉलीवुड की मशहूर और दिग्गज अदाकारा रेखा से आप प्रेरणा ले सकती हैं। उनका स्टाइल फॉलो करके आप भी सावन में अपने लुक को खास और यूनिक बना सकती हैं।

रेखा का फैशन सफर और खासियत

रेखा ने 1970 में फिल्म श्सावन भादोश से अपने करियर की शुरुआत की थी और तब से लेकर अब तक उनकी खूबसूरती और फैशन सेंस लोगों के दिलों में बसा हुआ है। उनकी स्टाइलिंग ने कई युवा एक्ट्रेसेस को भी टक्कर दी है। उनकी साड़ियों के खास लुक इस सावन में आपके लिए प्रेरणा बन सकते हैं।

गोल्डन सिल्क साड़ी – रॉयल और क्लासी लुक

रेखा ने फिल्म 'छपाक' के प्रीमियर पर गोल्डन सिल्क साड़ी पहनी थी जो बहुत ही रॉयल और खूबसूरत लगती है। ऐसी साड़ी हर महिला के वार्डरोब में होनी चाहिए। यह साड़ी सावन के त्योहार पर पहनने के लिए एकदम परफेक्ट है।

कांजीवरम साड़ी – सावन के लिए बेहतरीन चॉइस

रेखा की ऑरेंज और गोल्डन कांजीवरम साड़ी भी बेहद खूबसूरत लगती है। यह रंग संयोजन सावन के माहौल से मेल खाता है और इसे पहनकर आप भी रॉयल फील कर सकती हैं।

बनारसी पिंक साड़ी में निखारें अपनी खूबसूरती

पिंक रंग की बनारसी साड़ी जिसमें गोटा प्लेट्स का काम हो, रेखा पर बेहद खूबसूरत लगती है। सावन में आप इस लुक को अपनाकर भी अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं।

ग्रीन और पिंक का कमाल

रेखा की ग्रीन और पिंक कॉम्बिनेशन वाली साड़ी भी बहुत ही आकर्षक है। इसे हेवी ज्वेलरी और बालों में गजरा लगाकर पहने तो आपका लुक और भी खास बन जाएगा।

गोल्डन साड़ी के साथ मैरून या रेड ब्लाउज

सावन के लिए रेखा का गोल्डन कलर की साड़ी मैरून या रेड ब्लाउज के साथ पहनना एक रॉयल लुक देता है।

अचानक हार्ट अटैक से 20 से ज्यादा मौतें कोरोना वैक्सीन जिम्मेदार ?

हाल ही में कर्नाटक के हासन जिले से एक गंभीर खबर सामने आई, जहां 20 से ज्यादा लोगों की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। इस घटना के बाद कोरोना वैक्सीन को लेकर फिर बहस छिड़ गई कि कहीं इन मौतों की वजह वैक्सीन तो नहीं है। सोशल मीडिया पर तरह–तरह की बातें सामने आईं और इस मामले ने राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी।

सरकार ने शुरू की जांच, बनी विशेषज्ञों की समिति

हालात गंभीर होते देख कर्नाटक सरकार ने इस पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जांच के आदेश दिए और जयदेव इंस्टिट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च के निदेशक डॉ. केएस रविंद्रनाथ को इस समिति की जिम्मेदारी सौंपी। समिति से 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया।

स्वास्थ्य मंत्रालय की सफाई : वैक्सीन नहीं है जिम्मेदार

अब इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय तरफ से एक संयुक्त रिपोर्ट आई है जिसमें साफ कहा गया है कि इन मौतों का कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों की मौत हुई, उन्हें पहले से ही हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियां थीं और समय पर इलाज न मिलने के कारण उनकी हालत बिगड़ गई।

सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें, वैज्ञानिक आधार नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कोरोना वैक्सीन ने देश में संक्रमण और मौतों की संख्या को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने लोगों को भ्रमित किया और वैक्सीन को दोष देने की कोशिश की गई, जिसका वैज्ञानिक रूप से कोई प्रमाण नहीं मिला।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बयान

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने ग (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर कहा कि, "दुनिया भर के कई रिसर्च यह दिखाते हैं कि कुछ मामलों में वैक्सीन से जटिलताएं हो सकती हैं। भारत में जिस तेजी से इमरजेंसी अप्रूवल के तहत वैक्सीनेशन किया गया, उस पर दोबारा विचार होना चाहिए।" इस बयान के बाद राजनीतिक और मेडिकल क्षेत्रों में फिर से बहस शुरू हो गई।

हासन जिले में हार्ट अटैक के आंकड़े

कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दो वर्षों में हासन जिले में 507 हार्ट अटैक के केस सामने आए, जिनमें 190 लोगों की मौत हुई। इन मौतों और वैक्सीन की डोज के बीच कोई सीधा संबंध या पैटर्न नहीं मिला। इससे यह स्पष्ट होता है कि वैक्सीन नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य कारण ही इन मौतों के लिए जिम्मेदार हैं।

वैक्सीनेशन अभियान का पूरा विवरण

16 जनवरी 2021 से कर्नाटक में कोरोना वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई। पहले चरण में हेल्थ वर्कर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन दी गई। इसके बाद 45 साल से ऊपर और फिर 18–44 आयु वर्ग को टीका लगाया गया। राज्य में प्रमुख रूप से कोविशील्ड और को–वैक्सीन का इस्तेमाल किया गया। मोबाइल ऐप के जरिए लोगों को स्लॉट दिए जाते थे। वैक्सीन की स्टोरेज और वितरण के लिए बेंगलुरु, बेलगावी, मैसूरु, कलबुर्गी, दक्षिण कन्नड़, बगलकोट और चित्रदुर्ग जैसे जिलों में केंद्र बनाए गए।

कर्नाटक में हुई हार्ट अटैक से मौतों का कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा लेना–देना नहीं है। विशेषज्ञों की रिपोर्ट, सरकार की प्रतिक्रिया और आंकड़े यह साबित करते हैं।

सहारनपुर, बहराइच सहित इन 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। इस बीच मौसम विभाग की ओर से बुधवार को दक्षिणी यूपी के सोनभद्र, प्रयागराज मिर्जापुर और बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर, महोबा समेत कुल नौ जिलों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर समेत 13 अन्य जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट है। साथ ही 36 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। मंगलवार को प्रदेश में सर्वाधिक लखीमपुर खीरी में 212 मिलीमीटर तो वहीं बाराबंकी में 165 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इस समय ट्रफ लाइन कानपुर के ऊपर से गुजर रही है। बुधवार को बुंदेलखंड, दक्षिणी यूपी और विंध्य क्षेत्र में भारी बारिश के संकेत हैं। फतेहपुर, चंदौली, भदोही, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर व आसपास के इलाकों में। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, आगरा, इटावा, औरैया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के क्षेत्रों में। हिमाचल प्रदेश में सोमवार रात 17 जगह बादल फटे हैं। इसमें मंडी जिले में 15 और कुल्लू और किन्नौर जिले में एक–एक जगह बादल फटा है। मंडी जिले में बारिश, बादल फटने और ब्यास नदी व नालों के रौद्र रूप से भारी तबाही मची है। मंडी में पांच समेत पूरे प्रदेश में 7 लोगों की जान चली गई है। 16 लोग अभी लापता हैं। छह लोग घायल भी हुए हैं। 332 लोगों को जगह–जगह से रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई गई है। अकेले मंडी जिले में 24 घर और 12 गोशालाएं जमींदोज हो गई हैं। 30 पशुओं की मौत हो गई है। कुकलाह के समीप पटीकरी प्रोजेक्ट बह गया है। एक पुल ध्वस्त हो गया है।

अपना दल (एस) के पूर्व नेताओं ने मिलकर बनाया नया मोर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। कई साल पहले अपना दल (एस) से नाता तोड़ चुके पूर्व नेताओं ने अपना मोर्चा नाम से एक नया संगठन बनाने का एलान किया है। मोर्चा के संयोजक चौधरी ब्रजेंद्र प्रताप पटेल ने नए मोर्चे का अधिकारिक एलान करते हुए दावा किया है कि यह मोर्चा ही अपना दल (एस) की असली आवाज है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि यह मोर्चा भी एनडीए के साथ है। जल्द ही वे इस मसले को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और संघ की तरफ से भाजपा के साथ समन्वय का काम देखने वाले अरुण कुमार से मिलेंगे। अपना मोर्चा के संयोजक चौधरी ब्रजेंद्र प्रताप पटेल, धर्मराज पटेल और बौद्ध अरविंद पटेल ने पत्रकारों से बातचीत में अपना दल (एस) के शीर्ष नेतृत्व पर पार्टी के संस्थापक सदस्यों के अमर्यादित व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी में अपमानित होने की वजह से तमाम लोग पार्टी छोड़ चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके इस नए मोर्चा में पूर्व सांसद पकौड़ी लाल कोल, दो बार के विधायक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आरके वर्मा, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव धर्मराज पटेल समेत कई पूर्व विधायक और पदाधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में जिन लोगों की मेहनत के बल पर अपना दल (एस) सत्ता के दरवाजे तक पहुंचा है, उन कार्यकर्ताओं को ही अपमानित करके पार्टी से बाहर कर दिया गया। मोर्चा के नेताओं ने कहा कि अपना दल (एस) में कुर्मी लीडरशिप नहीं है, बल्कि पार्टी डीलरशिप की तरह संचालित किया जा रहा है। कुर्मी समाज ने जिन नेताओं पर भरोसा किया, उन लोगों को समाज को धोखा दिया। सिर्फ अपने परिवार के बारे में सोचा। उन्होंने कहा कि भाजपा से भी अपील की है कि वह सर्वे कराए कि कुर्मी बिरादरी किसके साथ है। अपना मोर्चा के दावे पर अपना दल (एस) के प्रदेश अध्यक्ष जाटव आरपी गौतम ने कहा कि पार्टी से पांच साल पहले निष्कासित लोग बुधवार को पार्टी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल के जयंती समारोह में बिघ्न पैदा करने की साजिश कर रहे हैं। अनर्गल बयानबाजी करके माहौल खराब करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी विधायक और पदाधिकारी पार्टी के साथ हैं और कल के कार्यक्रम में शामिल होकर मोर्चा के दावे की पोल खोल देंगे।

संक्षिप्त खबरें

मरीज और डॉक्टर के बीच रिश्ते मजबूत होने चाहिए

लखनऊ, (संवाददाता)। मरीज और डॉक्टर के बीच का रिश्ता विश्वास की नींव है। यही वजह है अभी भी मरीज और उनके परिवारीजन डॉक्टरों को भगवान का दर्जा देते हैं। यह बातें केजीएमयू कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहीं। वह मंगलवार को रिवर बैंक कालोनी स्थित आईएमए भवन में डॉक्टर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इसमें बड़ी संख्या में डॉक्टर व उनके परिवारीजन शामिल हुए। इस मौके पर कई डॉक्टर सम्मानित किए गए। आईएमए के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बीएन गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर मेहनत और लगन से मरीजों की सेवा कर रहे हैं। डॉक्टर मरीजों से दूरी कम करने की दिशा में कदम उठाएं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने कहा कोविड में डॉक्टरों ने जान जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा की। इस मौके पर आईएमए की अध्यक्ष डॉ. सरिता सिंह समेत अन्य डॉक्टर मौजूद रहे। डॉ. बीएन गुप्ता, डॉ. एएम खान, डॉ. नीरज बोरा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. जीपी कौशल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. सुरेश तलवार डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. सूर्यकांत, डॉ. जीपी सिंह, डॉ. रमा श्रीवास्तव समेत अन्य डॉक्टरों को सम्मानित किया गया।

आईईटी में एमटेक पावर व एनर्जी सिस्टम में प्रवेश शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) में भी पीजी कोर्सों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। संस्थान में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत एमटेक इन पावर एंड एनर्जी सिस्टम ब्रांच में एडमिशन को लेकर युवाओं में काफी उत्साह है। संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कंसल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि पावर एंड एनर्जी सिस्टम ब्रांच द्वारा छात्रों को रिन्यूएबल एनर्जी, स्मार्ट ग्रिड, इलेक्ट्रिकल व्हीकल, ऊर्जा प्रबंधन, माइक्रो ग्रिड और पावर सिस्टम विश्लेषण जैसे नए क्षेत्रों के बारे में पढ़ाई कराई जाएगी।

एमबीए–एमसीए में प्रवेश रजिस्ट्रेशन शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में यूजी के बाद अब पीजी कोर्सों में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन गति पकड़ रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार से एमबीए–एमसीए, एमबीए–एमसीए लेटरल एंट्री में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं। विश्वविद्यालय व संबद्ध संस्थानों में इन कोर्सों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। वहीं बीटेक व बीआर्क कोर्स में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पहले से चल रहे हैं। बीटेक में प्रवेश के लिए इस बार लगभग 50 हजार छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। जबकि इसमें से काफी ने शुल्क भी जमा कर दिया है। बीटेक के लिए ऑनलाइन च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू हो रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है।

बैंकों से यूपी वालों की शिकायतें हुई कम, प्रति एक लाख खाताधारकों में प्रदेश से शिकायत का औसत सिर्फ 9.5

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बैंक ग्राहक देश के अन्य राज्यों की तुलना में अपने बैंकों से ज्यादा संतुष्ट हैं, इसीलिए उनकी शिकायतें भी

कम हुई हैं। बैंकिंग लोकपाल के मुताबिक पिछले एक साल में यूपी में बैंकों की शिकायतों का औसत प्रति लाख खाताधारकों में 9.5, दिल्ली में 12, गुजरात में 11 और राजस्थान में 12 है। प्रदेश में इससे पहले की अवधि में प्रति लाख खाताधारकों की शिकायतों का औसत 11 था। शिकायतों में सबसे ज्यादा मामले मोबाइल बैंकिंग, लोन और जमा खातों के हैं। कुल शिकायतों में से 65 फीसदी इन्हीं से संबंधित हैं। बैंकों से जुड़ी शिकायतों में कमी का प्रमुख कारण बैंकिंग सेवाओं का अपेक्षाकृत बेहतर होना है। सरकारी योजनाओं में लोन और सब्सिडी की मॉनीटरिंग और निजी व स्माल फाइनेंस बैंकों से प्रतिस्पर्धा भी इसका प्रमुख कारण है। राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी की मासिक और तिमाही समीक्षा में भी बैंकों में कामकाज का माहौल सुधरा है। हालांकि, इतना होने के बावजूद बैंक अब भी छोटे उद्यमियों को लोन देने से कतराते हैं।

खाताधारकों के लिए मोबाइल बैंकिंग मुसीबत बनी

खाताधारकों को सबसे ज्यादा शिकायतें मोबाइल बैंकिंग से है। चिंताजनक बात ये है कि हर वर्ष इसमें इजाफा हो रहा है। वर्ष 2022 से 2024 के बीच शिकायतों की संख्या 39 हजार से बढ़कर 54 हजार हो गई हैं। इससे भी ज्यादा मामले लोन को लेकर हैं। बैंक टारगेट पूरा करने के दबाव में लोन और एडवांस देने में शर्तें छिपा रहे हैं। तीन वर्ष में लोन संबंधी शिकायतों के मामले ढाई गुना बढ़े हैं। इस अवधि में शिकायतें 24 हजार से बढ़कर 54 हजार से भी ज्यादा हो गईं। जमा खातों के संचालन और नए खातों की शिकायतें भी करीब तीन गुना बढ़ी हैं। यहां भी बैंकों पर नए खाते खोलने का दबाव है। ज्यादातर मामलों में जीरो बैलेंस बताकर खाते खुलवाए गए।

पंचायत चुनाव में नहीं दिखेगा इंडिया गठबंधन, कांग्रेस का अकेले चुनावों में जाने का फैसला

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस और सपा का गठबंधन आने वाले पंचायत के त्रिस्तरीय चुनावों में नहीं दिखेगा। कांग्रेस और सपा की राहें इसमें अलग–अलग हो सकती हैं। कांग्रेस ने इसको लेकर संकेत भी दे दिए हैं। अगर सब कुछ पार्टी की सोच के मन मुताबिक हुआ तो कांग्रेस पंचायत चुनाव में अकेले मैदान में उतरेगी। ऐसे में वह न सिर्फ संगठनात्मक ढांचा दुरुस्त कर रही है, बल्कि जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है। अब पार्टी की ओर से सभी जिलों में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने की तैयारी है। कांग्रेस ने 133 जिला व शहर अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। करीब 40 जिला व शहर की कार्यकारिणी घोषित हो चुकी है। अन्य जिलों और शहर की जल्द ही कार्यकारिणी घोषित होने की उम्मीद है। पार्टी की रणनीति है कि पंचायत चुनाव में माहौल बनाने के लिए जिला व शहर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाए। तीन से सात जुलाई के बीच घोषित जिला व शहर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमें पार्टी के सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित अन्य वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद इन जिलों में विधानसभा क्षेत्र और ब्लॉक स्तरीय कमेटियां गठित की जाएंगी। फिर उनका भी शपथ ग्रहण होगा। प्रयास है कि 15 अगस्त तक सभी बूथ कमेटियों का गठन पूरा कर लिया जाए।

पंचायत चुनाव में उतरेगी आजादी समाज पार्टी

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी पंचायत चुनाव में दमदारी से उतरने की तैयारी तेज कर दी है। मंगलवार को इंदिरानगर स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने इसे लेकर बैठक की। साथ ही निर्देश दिए कि आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए जल्द से जल्द वार्ड स्तर तक संगठन को मजबूत करने का काम करें। प्रदेश के सभी मुख्य मंडल प्रभारी, मंडल प्रभारी और मंडल प्रभारी भाईचारा के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने आगामी चुनावों के लिए निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

विकास खन्ना फिर से आईआईए लखनऊ के चेयरमैन

लखनऊ, (संवाददाता)। आईआईए के लखनऊ चौप्टर में एक बार फिर से उद्यमी विकास खन्ना को आईआईए की कमान दी गई है। गोमतीनगर स्थित आईआईए भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने स्थानीय पदाधिकारियों की घोषणा की। विकास खन्ना के अलावा लखनऊ के अन्य तीन उद्यमियों को भी आईआईए की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मौका मिला है। सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। आईआईए के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने बताया कि विकास खन्ना को उनके संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए व उनकी निर्विवाद छवि की वजह से दोबारा लखनऊ की कमान सौंपी गई है। लखनऊ चौप्टर के सचिव वैभव अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वर्ष 2025–26 के लिए लखनऊ से तीन लोगों को मौका मिला है। इसमें राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर अवधेश कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर चेतनदेव भल्ला, सूर्य प्रकाश हवेलिया और डिविजनल चेयरमैन पद पर राजीव बंसल को चुना गया है।

मोहनलालगंज के उतरावां बेसिक विद्यालय में 29 शिक्षकों के बावजूद घटे नामांकन

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज के उतरावां बेसिक विद्यालय में 29 शिक्षकों की तैनाती के बाद भी यहां नामांकन दर कैसे घटती गई और वर्तमान में बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता क्या है, इसकी जांच की जाएगी। बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता परखने के लिए जिला एवं प्रशिक्षण संस्थान निशातगंज (डायट) प्राचार्य को बीएसए ने मंगलवार को पत्र भेजा है। खंड शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट पर बीएसए ने डायट प्राचार्य अजय कुमार सिंह को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि उतरावां में 29 शिक्षकों की तैनाती के बाद भी नामांकन संख्या कैसे घटी? वर्तमान में पढ़ रहे बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता क्या है? इसकी जांच प्रवक्ताओं से करवाई जाए। बता दें कि यहां मौजूदा नामांकन संख्या बीईओ ने 400 बताई है। इससे पहले यह 600 हुआ करती थी। नामांकन घटना कहीं न कहीं खराब शैक्षिक गुणवत्ता की ओर इशारा करता है। कटेगा वेतन, सर्विस बुक पर चढ़ेगा रिकॉर्ड बीएसए ने मंगलवार को साफ कर दिया कि शिक्षकों ने मेडिकल अवकाश तब आवेदन किया जब बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। ऐसे में मेडिकल अवकाश मंजूर नहीं किया जा सकता है। बीईओ सुशील कुमार के मुताबिक निरीक्षण में प्रधानाध्यापक स्वदेश कुमार अग्निहोत्री, सहायक अध्यापक दीप माला, रूचि खत्री, श्रुति कीर्ति शुक्ला, पंकज शुक्ला, प्रवेंद्र कुमार यादव, चंद्र प्रकाश, राम प्रकाश, अनूप कुमार, चिंता देवी, हरि प्रसाद, अनुपमा मिश्रा, अंजली सिंह, रश्मि पांडेय, स्वाती सैनी, रेनू जोशी, सुप्रिया, ऋचा सिंह, दुर्गा रानी, नीलम पाठक, अर्चना पांडेय, सीमा वर्मा, मनोरमा को अनुपस्थित पाया गया था। इसमें छह शिक्षकों ने जवाब दिया है।

सीबीएसई और सीआईएससीई को भेजी जाएगी प्रवेश न देने वाले स्कूलों की सूची

लखनऊ, (संवाददाता)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत नामांकन न करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) की ओर से एनओसी रद्द करने और मान्यता प्रत्याहरण की सिफारिश के बाद संयुक्त शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) ने कार्रवाई की प्रक्रिया तेज कर दी है। बुधवार को बीएसए की रिपोर्ट जेडी कार्यालय पहुंचने के बाद अब अंतिम नोटिस जारी किए जाने की तैयारी है। जेडी माध्यमिक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रवेश से इन्कार करने वाले स्कूलों की सूची सीबीएसई बोर्ड और सीआईएससीई को भेजी जाएगी, जिससे उच्चस्तरीय कार्रवाई संभव हो सके। विशेष रूप से लखनऊ में यूपी बोर्ड की तुलना में सीबीएसई और सीआईएससीई से संबद्ध स्कूलों की ओर से आरटीई नियमों की अधिक अवहेलना की जा रही है। सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस) और सेठ एमआर जयपुरिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के नाम इसमें प्रमुख हैं। सेठ एमआर जयपुरिया और विश्वनाथ एकेडमी के प्रबंधकों को 19 जून को जेडी माध्यमिक की ओर से नोटिस जारी किया गया था, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। अब इन्हें अंतिम नोटिस जारी किया जाएगा।

लचर कार्रवाई से बढ़ा निजी स्कूलों का दुस्साहस

आरटीई एक्ट 2009 से लागू है, लेकिन आज तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अधिकांश बड़े स्कूलों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। कार्रवाई केवल नोटिस और चेतावनी तक सीमित रही। नतीजतन, हर साल गरीब बच्चों के प्रवेश अधर में रहते हैं। इस वर्ष भी करीब 3000 बच्चे अब तक स्कूलों में दाखिले का इंतजार कर रहे हैं, जबकि एक जुलाई से नया शैक्षिक सत्र शुरू हो चुका है।

चयनित बच्चों की पात्रता कोई स्कूल नहीं जांच सकता

जो स्कूल प्रबंधक आरटीई एक्ट से खुद को ऊपर समझते हैं, उनपर कोई रियायत नहीं होगी। गरीब बच्चों के चयन सिस्टम से हुआ है। कोई उनकी पात्रता नहीं जांच सकता है। एक नियम के तहत नोटिस की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश की राजधानी के इन इलाकों की जमीन सबसे महंगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी की 77 ऐसी सड़कें हैं जिनके आसपास जमीन के सर्किल रेट तय किए गए हैं। इसमें गोमतीनगर के विराजखंड और विभूतिखंड की दो ऐसी सड़कें हैं जिनके दोनों तरफ के इलाके का सबसे अधिक 70 हजार प्रति वर्ग मीटर सर्किल रेट तय किया गया है। इसमें विराजखंड रोड फ्लाईओवर के नीचे विभूतिखंड के मंत्री आवास होते हुए वन अवध माल होते हुए बैंक ऑफ इंडिया लोहिया पथ तक और विभूतिखंड पुलिस चौकी से हयात रीजेंसी होटल होहुए पिकअप भवन के चौराहे तक के मार्ग के दोनों तरफ पड़ने वाले राजस्व ग्राम व मोहल्ले का सर्किल रेट सत्तर हजार किया गया है। वहीं गोमतीनगर में आंबेडकर चौराहा से दयाल पैराडाइज होते हुए हुसड़िया चौराहे तक व विशालखंड सीएमएस स्कूल चौराहे से मनोज पांडेय चौराहे होते हुए हुसड़िया चौराहे से सहारा हॉस्पिटल से रेलवे लाइन तक व लखनऊ फैजाबाद रोड पर पॉलिटेक्निक चौराहे से बाराबंकी चौराहे तक के मार्ग का सर्किल रेट 66 हजार तय किया गया है। ये चार सड़कें सबसे बेशकीमती हैं।

सुर, लय और ताल की त्रिवेणी से सजी शाम

लखनऊ, (संवाददाता)। केवल एक माह के प्रशिक्षण के बाद सुर, लय और ताल के अद्भुत संगम की प्रस्तुतियां देकर प्रशिक्षुओं ने दर्शकों का मन मोह लिया। मौका था उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में चल रही संगीत कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रस्तुतियों का। गायन, वादन और नृत्य तीनों विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करीब 200 कलाकारों ने अपने गुरुओं के निर्देशन में संत गाडगे प्रेक्षागृह में मंगलवार शाम कमाल का प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। राहुल अवस्थी के निर्देशन में शास्त्रीय गायन के प्रतिभागियों ने राग भूपाली में लक्ष्ण गीत 'मा नि बरज गाए', छोटा ख्याल 'जाऊं तोरे चरण कमल वारी' और राग बिहाग में 'गोपाल गोकुल बल्लभी' सुनाकर तालियां बटोरीं। उस्ताद गुलशन भारती के निर्देशन में उपशास्त्रीय प्रस्तुति में प्रतिभागियों ने दादरा 'झमाझम पानी भरे री कौन अलबेली की नार', ठुमरी 'सांवरिया ने जादू डाला' और 'टप्पा मैं ता चाल पहचानी' सुनाकर मनभावन प्रदर्शन किया। डॉ. पवन कुमार के निर्देशन में तबला वादन की प्रस्तुति भी कमाल की रही। नन्हे हाथों से लेकर 75 साल के बुजुर्ग तक ने तबले पर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतिभागियों ने तीन ताल में ठेका, कायदा, रूपक और कहरवा ताल का वादन कर प्रशंसा हासिल की। शहर के वरिष्ठ संगीतकार केवल कुमार के निर्देशन में लोक गायन की प्रस्तुतियां हुईं। प्रतिभागियों ने 'भोले बाबा के चरनन मा', 'ओ चंदा जइयो बिरन के देसवा', 'पूरब से आई' और 'गोरी नयना तोहार रत्नार' जैसी रचनाएं सुनाकर सभी का दिल जीत लिया। डॉ. मंजू मलकानी के निर्देशन में हुई कथक प्रस्तुति में प्रतिभागियों ने 'कन्हैया तोरी मुरली बैरन भई', 'रंगी सारी गुलाबी चुनरिया', 'डमरू हर कर बाजे' सतरंगी नृत्य कर वाहवाही अर्जित की। इसमें एक दिव्यांग प्रतिभागी ने भी कथक प्रस्तुति दी। नीता जोशी के निर्देशन में हुई कथक नृत्य की प्रस्तुति में प्रतिभागियों ने 'बसो मोरे नयनन में नंदलाल', 'ध्यान मूलम', 'छाप तिलक', 'दमादम', 'मैं तो पिया से नैना लड़ा आई' पर अत्यंत सुंदर संयोजन पेश किए। संचालन महिता दिवास्कर ने किया।

व्यापार में घाटे से भी परेशान थे शोभित... नहीं मिली थी मदद

लखनऊ, (संवाददाता)। कर्ज तले दबे चौक के अशरफाबाद निवासी कपड़ा व्यापारी शोभित रस्तोगी (45) को व्यापार में भी घाटा हुआ था। उनके साथी कारोबारियों ने इसकी जानकारी दी है। कर्ज लेकर दुकान शुरू करने वाले शोभित मुनाफा न होने से परेशान थे। रविवार देर रात उन्होंने पत्नी सुचिता (43) और बेटी ख्याति (16) के साथ आत्महत्या कर ली थी। शोभित की राजाजीपुरम के ई ब्लॉक में जुगल फैशन पॉइंट के नाम से कपड़े की दुकान थी। एसीपी चौक राजकुमार सिंह का कहना है कि प्रारंभिक छानबीन में सामने आया है कि शोभित कर्ज न चुका पाने से तनाव में थे। सुसाइड नोट में भी इसका जिक्र है, जिसे फोरेंसिक टीम जांच के लिए ले गई है। लिखावट की भी जांच होगी। उधर, पोस्टमार्टम के बाद शोभित के परिजन शव लेकर चले गए। तीनों शवों का एक साथ गुलाला घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। शोभित के भाई शरद व शेखर ने मुखाग्नि दी। इस दौरान दोनों की आंखें नम रहीं। कर्ज से परेशान होने पर शोभित की पत्नी सुचिता ने मां को फोन किया था। उन्होंने कई बार पूरी बात बताते हुए मदद करने के लिए कहा, लेकिन मायके वालों की ओर से कोई उनका हाल लेने नहीं आया। पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट में शोभित और सुचिता ने आपबीती लिखी है। दोनों ने कई लोगों से मदद मांगी थी, पर किसी ने हाथ नहीं बंटाया। तीनों शवों का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया गया। इसमें महिला डॉक्टर भी शामिल रही। पैनल ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई। जहरीला पदार्थ खाने से मौत की आशंका बताई गई है। डॉक्टरों ने हार्ट और विसरा सुरक्षित रखा है, जिसे प्रयोगशाला भेजा गया है।

बारिश से गोमतीनगर सहित कई इलाकों में जलभराव

लखनऊ, (संवाददाता)। मंगलवार दोपहर हुई तेज बारिश से गोमती नगर सहित शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। वहीं, अलीगंज में गोयल चौराहे के पास सड़क पर गड्ढा हो गया। इससे सड़क धंसने का खतरा पैदा हो गया है। सुरक्षा के लिहाज से स्थानीय लोगों ने गड्ढे में डंडा लगा दिया है। बारिश के कारण सुल्तानपुर रोड पर अहिमामऊ चौराहे के निकट पेट्रोल पंप के पास सड़क पर तीन फुट तक पानी भर गया, जिससे कई गाड़ियां भी उसमें फंस गईं, जिन्हें बाद में क्रेन से खींचकर निकाला गया। गोमतीनगर में जनेश्वर मिश्रा पार्क के सामने वाले रेलवे अंडरपास में पानी भरा। इससे यहां से गुजरने वालों को भी परेशानी हुई। चिनहट द्वितीय वार्ड में मिनी स्टेडियम के समीप पास भी जलभराव हुआ। अलीगंज में नाले की सफाई ठीक से न होने और उन पर अतिक्रमण होने से रामराम बैंक, सेक्टर के में पानी भरा। परिवर्तन चौक के पास भी जलभराव हुआ। वहीं, इस्माईलगंज द्वितीय वार्ड में दयाल रेजिडेंसी कॉलोनी सी ब्लॉक में नवनिर्मित नाले की दीवार टूट गई।

तीन अंतर्जनपदीय लुटेरे गिरफ्तार,पुलिस ने किया खुलासा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरजनपदीय लूटेरे गिरोह का पर्दाफाश किया है। लाइन बाजार थाना पुलिस, स्वाट टीम और सर्विलांस की संयुक्त कार्रवाई में तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार आरोपियों में प्रतापगढ़ निवासी सचिन चौहान (26),

जौनपुर के मनीष रजक (27) और प्रयागराज के प्रभाकर सिंह उर्फ आशु सिंह (36) शामिल हैं। इन अपराधियों ने जून में चार वारदातों को अंजाम दिया था। आरोपियों ने 14 जून को चांदमारी मोहल्ला निवासी शिक्षक नंद किशोर सिंह से14 जून की सुबह करीब 5 बजे पिस्टल दिखाकर सोने की अंगूठी और चेन लूट ली। 24 जून को प्रयागराज की ज्योति शुक्ला के गले से सोने की चेन छीनी। 28 जून को आजमगढ़ की पुष्पा पटेल से सोने की चेन लूट ली। 27 जून को जौनपुर में गुड़िया अग्रहरी के गले से भी सोने की चेन छीन ली। थाना लाइन बाजार के प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम में स्वाट टीम प्रभारी के.के. सिंह, डेल्टा प्रभारी प्रवीण कुमार यादव, सर्विलांस प्रभारी मनोज ठाकुर और चौकी प्रभारी अरविंद कुमार यादव शामिल थे। मुखबिर की सूचना पर पालपुर तिराहा के पास से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी लूट के मामलों का सफल अनावरण करते हुए लूटा गया माल भी बरामद कर लिया है।

एक अपचारी गिरफ्तार सहित दो गिरफ्तार

अयोध्या।कैंट थाना पुलिस ने दो दर्जन डीजे के ट्यूटर को बरामद कर इसमें शामिल एक आरोपी सहित एक अपचारी को गिरफ्तार किया।इस संबंध में सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक थाना कैण्ट पंकज सिंह ने उ0नि0 आशु प्रताप सिंह थाना कैण्ट,उ0नि0 आदर्श विक्रम सिंह थाना कैण्ट,उ0नि0 महावीर सिंह थाना कैण्ट की मदद से आरोपी राज निषाद उर्फ कद्दू पुत्र सुरेन्द्र निषाद निवासी निषाद नगर रेतिया थाना कैण्ट व बाल अपचारी को गिरफ्तार किया।

बेलाव घाट डबल मर्डर केस में पूर्व सांसद धनंजय सिंह बरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत थाना अंतर्गत बेलवा घाट पर हुए 15 वर्ष पूर्व हुए डबल मर्डर केश के आरोपी पूर्व सांसद धनंजय सिंह को एमपी एमएलए कोर्ट ने निर्दोष पाते हुए गुरुवार को बरी कर दिया है। जौनपुर के केराकत थाना क्षेत्र के बेलाव घाट पर ठेकेदारी के विवाद को लेकर एक अप्रैल 2010 की सुबह बेलाव घाट पर संजय निषाद व नंदलाल निषाद की ठेकेदारी के विवाद को लेकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में तत्कालीन सांसद धनन्जय सिंह, आशुतोष सिंह, पुनीत सिंह सहित चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। मामले में पुलिस ने सभी को क्लीन चिट दे दिया था। बाद में सीबीसीआईडी ने जांच के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। एडीजे प्रथम एमपी सिंह की अदालत में मामले में विचारण चल रहा था।इस मामले में सांसद धनंजय सिंह कहा हमे न्याय मिला है हमे आवश्यक रूप से राजनैतिक षडयंत्र के तहत फंसाया गया था हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा था।

बिना कागजात दुरुस्त किया ना निकले स्कूली वाहन चालक – डा आर पी सिंह

अयोध्या। बिना कागजात दुरुस्त हुए कोई भी वहां स्कूली बच्चों को कतई ना ले जाएं। अगर ऐसा करता हुआ कोई स्कूली वाहन या निजी वाहन चालक बच्चों को लाते समय पकड़ा जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। यह बातें बुधवार को 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आरटीओ विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वाहन चेकिंग दौरान के समय एआरटीओ प्रवर्तनध्प्रशासन डॉक्टर आर पी सिंह ने वाहन

चालकों से कहीं।इस मौके पर उन्होंने ऐसे सभी वाहनों का निरीक्षण किया।चेकिंग अभियान के दौरान उन्होंने उधर से गुजरने वाले स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, वीमा, प्रदूषण आदि की वैधता की जांच किया।उन्होंने बताया कि बुधवार को स्कूली वाहनो के विरुद्ध अभियान चलाया गया।जिसमें एक वाहन थाने में निरुद्ध करते हुए एक स्कूली वाहनों का चालान किया ।

प्रमोद कुमार श्रीवास्तव बने राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय सह–संगठन मंत्री

नई दिल्ली। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ल जी ने आज प्रमोद कुमार श्रीवास्तव जी को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें राष्ट्रीय सह–संगठन मंत्री नियुक्त किया। इस अवसर पर श्री शुक्ल जी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रमोद श्रीवास्तव अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे तथा संगठन को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेंगे। नव नियुक्त सह–संगठन मंत्री प्रमोद श्रीवास्तव को बधाई देने वालों में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल कुमार जी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया और श्री श्रीवास्तव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय युवा वाहिनी का संकल्प है कृ भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाना। इस दिशा में संगठन ने पूरे भारतवर्ष में गांव–गांव, शहर–शहर, मोहल्ला–मोहल्ला, प्रदेश, जिला, प्रत्येक नगर और तहसील में गुरुकुल की स्थापना करने तथा षशिक्षा से संस्कारष की भावना के साथ संस्कारशालाओं की स्थापना करने का संकल्प लिया है। प्रमोद श्रीवास्तव के नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की आशा की जा रही है। उनका समर्पण और अनुभव निश्चित ही संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

आभार सचिवालय का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

ब्यूरो चीफ देश की उपासना,

लखनऊरू सचिव,उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स एसोसिएशन श्री एन.पी. त्रिपाठी, एवं संयोजक,संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रकाशित आभार सचिवालय का विमोचन समारोह उत्तर प्रदेश सचिवालय के मुख्य भवन स्थित कक्ष संख्या 80 में आज दिनांक 3.7.2025 को सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता श्री पी.के. शर्मा, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स एसोसिएशन ने किया। श्री एन पी त्रिपाठी द्वारा प्रकाशित एवं श्री शिव शंकर द्विवेदी, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त) उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सम्पादित संस्मरण पत्रिका आभार सचिवालय का विमोचन, समारोह के मुख्य अतिथि डॉ दिनेश चंद्र अवस्थी पूर्व महामंत्री, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान के कर कमरों द्वारा किया गया। समारोह में उत्तर प्रदेश सचिवालय के 1974 बैच के पूर्व अधिकारीगण के साथ अन्य अनेक विशेष आमंत्रित सदस्य भी उपस्थित थे। संस्मरण पत्रिका आभार सचिवालय में श्री एन.पी. त्रिपाठी जी ने अपने सचिवालय सेवा के 50 वर्षों का महत्वपूर्ण घटनाक्रम लिपिबद्ध किया है। इस पत्रिका में श्री त्रिपाठी जी के साथ ही श्री एफ.एन. प्रधान,विशेष सचिव (सेवानिवृत्त) उत्तर प्रदेश शासन,श्री शिव शंकर द्विवेदी, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त) उत्तर प्रदेश शासन, डाक्टर एम.डी. मिश्रा पूर्व संपादक सचिवालय साहित्यिकी एवं पेंशनर्स परिकल्प, श्री राम नरेश त्रिपाठी अनुभाग अधिकारी (सेवानिवृत्त) एवं श्री टी एन द्विवेदी, महासचिव,पी.सी.एस.(रिटा) अधिकारी वेलफेयर एसोसिएशन उ.प्र.के संस्मरण भी लिपिबद्ध हैं।

भीम आर्मी ने तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

अयोध्या।गुरुवार भीम आर्मी ए आजाद समाज पार्टी जिला अयोध्या ने तिकोनिया पार्क निकट सदर तहसील के सामने तहसीलदार सदर धर्मेंद्र सिंह के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौपा।पार्टी द्वारा यह विरोध किया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया निर्णय कि प्राथमिक विद्यालयों को विलय करके शिक्षा जैसी व्यवस्था को खत्म किया जा रहा है,भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 और अनुच्छेद 46 (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के शिक्षा और सुरक्षा का) उल्लंघन , तथा मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है,और कौशांबी और करछना थाना के अंतर्गत हुए दलित समाज के ऊपर उत्पीड़न के विरोध में भी आवाज उठाई गई।जिसमें जिला अध्यक्ष देवेश कुमार उर्फ पिंटू पत्रकारों से मुखातिब होकर कहा कि प्रयागराज में हुई घटना सीबीआई की जांच करवाई जाए और जो दोषी हो उस पर कार्यवाही हो ,पार्टी के निर्दोष कार्यकर्ताओं पर जो कानूनी कार्रवाई की जा रही है उसको रोका जाए और निर्दोष पार्टी के सिपाहियों के ऊपर जो मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं पार्टी उनके लिए लड़ेगी चाहे कोर्ट हो या सड़क हो।जिसमें लीगल सेल अध्यक्ष जैद ईलाही जी, अयोध्या विधानसभा के पांचो विधानसभा अध्यक्ष, प्रमोद मौर्या जी, केशवराम जिला प्रभारी जी, विधायक पद प्रत्याशी सूरज चौधरी जी ,पार्टी मीडिया प्रभारी अनिल एडवोकेट तथा पदाधिकारी गण व अन्य सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यालयों को अन्यत्र समायोजित करने का निर्णय अदूरदर्शी, असंवैधानिक वं तानाशाही फैसला : प्रमोद कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी सरकार द्वारा प्रदेश के 5000 माध्यमिक व जूनियर विद्यालयों को बंद करने के आदेश के विरोध में गुरुवार को जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने कलेक्ट्रेट परिसर पर धरना प्रदर्शन कर अपर जिलाधिकारी अजय अम्बष्ट को ज्ञापन सौंपा।इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाए। जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने कहा कि यूपी के हजारों विद्यालयों को अन्यत्र समायोजित करने का निर्णय पूरी तरह से अदूरदर्शी, असंवैधानिक वं तानाशाही फैसला है। विद्यालयों को बंद किए जाने से एक तरफ जहां शिक्षा के कानूनी अधिकार का उलंघन है। वही छोटे–छोटे बच्चों को सुदूर दूसरे गांव में शिक्षा ग्रहण करने जाने में भारी असुविधा होगी तथा अभिभावकों को ही परेशानी उठानी पड़ेगी। जिन विद्यालयों को बंद किया जा रहा। विद्यालयों में मिड डे मील का भोजन बनाने वाले कर्मियों को बेरोजगारी का दंश झेलना पड़ेगा। इस में बीटीसी एवं बीएड की डिग्री लिए युवाओं के सामने भविष्य में नौकरी की समस्या आएगी। जब सरकार विद्यालयों को बंद कर देगी तो युवाओं को शिक्षक की नौकरी पाने का अवसर समाप्त हो जाएगा। सरकार द्वारा जानबूझकर संवैधानिक संकट खड़ा किया जा रहा है।भविष्य में व्यापक दुष्परिणाम सामने खड़ा होगा।

डायट प्राचार्य ने किया बीईओ, एसआरजी, एआरपी के साथ बैठक, दिया निर्देश

बस्ती , (संवाददाता)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मंगलवार को जिले के बीईओ, एसआरजी, एआरपी के साथ बैठक करके आवश्यक दिशा–निर्देश दिया। डायट प्राचार्य ने कहा कि विभागीय योजनाओं को

समय पर पूरा करने के लिए सभी लोग अपना पूरा सहयोग दें। कहा कि मंगलवार को सभी परिषदीय विद्यालय खुल गए हैं स्कूल चलो अभियान से लेकर बच्चों के पठन–पाठन और अन्य गतिविधियां सही ढंग से संपन्न कराई जाए। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त एआरपी के साथ ये पहली बैठक है सभी लोग अपने कार्य दायित्व के अनुसार कार्य करें ताकि निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को तय समय में पूरा किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी एआरपी अगली बैठक में कार्य योजना के साथ ही प्रतिभाग करें। प्रवक्ता अलीउद्दीन खान और इमरान ने गणित ओलंपियाड एवं प्रदर्शनी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई से 15 जुलाई तक विद्यालय स्तर पर अभ्यास कार्य होगा। 20 से 22 अगस्त तक विद्यालय स्तरीय परीक्षा होगी जिसमें प्रत्येक स्कूल से दो सर्वाधिक अंक पाने वाले बच्चे चयनित किए जाएंगे। 24 से 26 सितंबर तक ब्लॉक स्तरीय परीक्षा होगी जिसमें 10 बच्चे चयनित किए जाएंगे। 13 से 14 अक्टूबर तक डायट पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय के कक्षा 6, 7, 8 के बच्चे प्रतिभाग करेंगे। परीक्षा कुल 30 प्रश्नों की होगी जिसमें 20 प्रश्न ऑब्जेक्टिव तथा 10 सब्जेक्टिव प्रश्न होंगे।बैठक में बीईओ विजय आनन्द, अनिल कुमार मिश्र, महावीर यादव, शैलेश मिश्र, करुणेश पाण्डेय, अखिलेश कुमार, बालमुकुंद, मनीष श्रीवास्तव, अभिनव मिश्र, शिव बहादुर शामिल रहे।

पेंशनर्स सरकार से नाराज 15 जुलाई को प्रदर्शन कर सौपेगे ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के घोषित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के सभी जनपद मे विगत 22 अप्रैल 2025 को पेंशनर्स के मांगो से सम्बन्धित धरना–प्रदर्शन कर मा0 प्रधानमन्त्री भारत सरकार एवं मा0 मुख्यमन्त्री उत्तर प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजकर मांगो को शीध्र निस्तारित करने का अनुरोध किया गया था । संगठन के जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह ने बताया कि संगठन के प्रेषित ज्ञापन पर अभी तक कोई ठोस कदम केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा नही उठाया गया, जिसके कारण पेंशनर्स मे वित्त बिधेयक 2025 को लेकर गंभीर संसय की स्थिति बनी हुई है। ऐसी स्थिति मेआगामी दिनांक 15 जुलाई 2025 को प्रदेश के अन्य जनपदो की भाँति कलेक्ट्रेट परिसर मे जनपद के पेंशनर्स बडी संख्या मे धरना–प्रदर्शन कर जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से अनुस्मारक ज्ञापन मा0प्रधान मन्त्री जी एवं मा0 मुख्य मन्त्री जी को भेजते हुए, आठवें बेतन आयोग के गठन का शीघ्र भारत सरकार का राजपत्र (गजट नोटीफिकेशन) जारी करके, कार्यरत अधिकारी कर्मचारी के साथ ही पेंशनर्स के टर्मस रिफरेन्स

का स्पष्ट उल्लेख किया जाए, जिससे आठवे बेतन आयोग से पेंशन एवं महगाई राहत को अलग (डी लिंक) की स्थिति स्पष्ट हो सके। साथ ही पेंशन के राशिकरण की धनराशि की कटौती 15वर्ष से कम करके 10वर्ष करने एवं जिन पेंशनर्स से दस बर्ष से अधिक वसूली गयी है उसे उन्हे वापस करने व कोरोना काल मे पेन्शनर्स के रोके गए अठारह माह के महगाई राहत का शीघ्र भुगतान किये जाने एवं पेंशन की नयी व्यवस्था यन पी एस एवं यू पी एस को समाप्त कर पुरानी पेंशन ओ पी एस को तत्काल बहाल किए जाने की मांग को शीध्र पूरा किया जाय । अन्यथा स्थिति मे पेंशनर्स बडा आन्दोलन करेंगे जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

संगठन के जिला मन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय, सम्प्रक्षेक राजाश्रय रजक, शेषनाथ सिंह, अजयसिह, मिठाई लाल, पलकधारी, कंचन सिंह, कृष्ण कुमार तिवारी, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, राम आसरे, दसरथ राम, राम अवध लाल, मंजूरानीराय आदि बडी संख्या मे पेंशनर्स उपस्थित रहे। सभी ने सरकार की शिथिलता पर आक्रोश व्यक्त करते हुए आगामी पन्द्रह जुलाई के धरना–प्रदर्शन के सफल आयोजन का संकल्प लिया।

श्रीमती तूलिका श्रीवास्तव बनी अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 की

महिला शाखा जिलाध्यक्ष
ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा पंजी. 2150 नई दिल्ली उत्तर प्रदेश की महिला शाखा का जिलाध्यक्ष के रूप में श्रीमती तूलिका श्रीवास्तव पत्नी बीजेपी के वरिष्ठ नेता अमित श्रीवास्तव निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष भाजपा को प्रदेश उपाध्यक्ष महिला शाखा श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष श्रीमान अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने मनोनीत किया है। यह मनोनयन दो साल के लिए किया गया हैं और तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अपने मनोनयन को लेकर जिलाध्यक्ष तूलिका श्रीवास्तव ने कहा कि महासभा में हमें जो जिम्मेदारी दिया गया है उसका पूरी निष्ठा से पालन

करुंगी समाज के हित के हमेशा तत्पर रहूंगी महासभा में महिला संगठन को और मजबूती देने के लिए जल्द ही और समाज की महिलाओं को जोड़ा जाएगा।साथ ही महिला हितों का विशेष ध्यान रखना है। श्रीमती तूलिका श्रीवास्तव को अध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय संयोजक मनीष श्रीवास्तव जी राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन प्रभास श्रीवास्तव आईएस जी संरक्षक मंगलेश श्रीवास्तव महापौर गोरखपुर, राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव , दीपक श्रीवास्तव राष्ट्रीय महासचिव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सूरज प्रकाश श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश चंद्र श्रीवास्तव राजीव कुमार श्रीवास्तव ,प्रदेश उपाध्यक्ष संरक्षण श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव विजेंद्र खरे संजय अस्थाना संदीप श्रीवास्तव प्रदेश महिला शाखा की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव , कल्पना श्रीवास्तव रश्मि श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋषि श्रीवास्तव महासचिव नवनीत श्रीवास्तव बधाई एवं शुभकामनाएं दी

महामहिम को भा गई गोरक्षनगरी, शहर की स्मृतियों में रच-बस गई

गोरखपुर, (संवाददाता)। पहली बार गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि पर पहुंचीं महामहिम द्रौपदी मुर्मू को शहर गोरक्षनगरी खूब भाई। वह शहर में करीब 29 घंटे रहीं। इस दौरान सड़क मार्ग से 129 किमी का भ्रमण किया। शहर के एक से दूसरे छोर तक दो दिनों में कई बार आईं–गईं। अपनी सादगी व बच्चों के प्रति लगाव के कारण वह शहर की स्मृतियों में सदा के लिए रच–बस गईं। राष्ट्रपति मुर्मू 30 जून को दोपहर करीब 1:10 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरी थीं। एक जुलाई को शाम करीब छह बजे के बाद यहां से निकलीं। गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद सर्किट हाउस पहुंची थीं। दो दिनों में विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लेने के लिए वह चार बार सर्किट हाउस से निकलीं। पहले दिन एम्स और गोरखनाथ मंदिर जाने के लिए निकली थीं। पहले दिन महामहिम ने 37, जबकि दूसरे दिन 92 किमी का सफर किया। इस दौरान वह शहर से सटे ग्रामीण अंचल में भी गईं। स्वच्छ, सुंदर और जगमग गोरखपुर को देखकर राष्ट्रपति गदगद दिखीं। दो दिवसीय दौरे पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूर्वांचल के लोगों को कामयाबी का मंत्र दे गईं। उन्होंने हर व्यक्ति के उत्तम स्वास्थ्य को देश की तरक्की से जोड़ा। स्वास्थ्य को संपदा बताते हुए उन्होंने लोगों को सजग किया। हर व्यक्ति को अथक परिश्रम, निद्रा जीत और कार्य के प्रति समर्पण का मंत्र देते हुए कहा कि इन तीन चीजों से व्यक्ति और देश का विकास तय होता है। राष्ट्रपति ने मंगलवार को मंच से बटन दबाकर आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण किया। आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण 52 एकड़ में 268 करोड़ रुपये की लागत से हुआ।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद खुले परिषदीय विद्यालय

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद मे मंगलवार को ग्रीष्म कालीन अवकाश के बाद परिषदीय विद्यालयों में रौनक लौट आई। परिषद के विद्यालयों का संचालन दोबारा शुरू हो गया। कई निजी विद्यालय पहले ही खुल चुके थे, लेकिन परिषदीय विद्यालयों की शुरुआत मंगलवार से हुई। बच्चों की वापसी को यादगार बनाने के लिए कई विद्यालयों में स्वागत कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। दुदही विकास खंड के ग्राम ब्रह्मपुर स्थित दो परिषदीय विद्यालयों यादव टोला प्राथमिक विद्यालय व संविलियन विद्यालय में छात्रों का स्वागत फूल–मालाओं से किया गया। विद्यालय स्टाफ ने बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।इस अवसर पर समाज सेवी डॉ. आनंद यादव ने सराहनीय पहल करते हुए दोनों विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को कापी, पेंसिल, रबर, कटर व बिस्किट वितरित किए। बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान प्र.अ. श्रीकांत प्रसाद, स.अ. छांगुर शर्मा, विकास कुमार वर्नवाल, डॉ. हिमांशु त्रिपाठी, शिक्षा मित्र जुल्फकार अंसारी, नीलम मिश्रा, रीना यादव मौजूद रहे।

कांग्रेस ने घोषित किये कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव के 68 पदाधिकारी

बस्ती , (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जिला कांग्रेस कमेटी बस्ती के पदाधिकारियों की स्वीकृति दे दिया है। मंगलवार को पदाधिकारियों के नामों की घोषणा करते हुये कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव सहित कुल 68 पदाधिकारी घोषित किये गये हैं। कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि नर्वदेश्वर शुक्ल कोषाध्यक्ष, संदीप श्रीवास्तव, मो. रफीक, सुरेन्द्र मिश्रा, अलीम अख्तर, इफ्तिखार अहमद, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, डा. दीपेन्द्र सिंह, लाबोनी सिंह, साधूशरन आर्य, राकेश मणि त्रिपाठी, शकुन्तला देवी, शबीहा खातून, रामधीरज चौधरी उपाध्यक्ष, सोमनाथ निषाद 'संत', अतीउल्ला सिद्दीकी, राहुल चौधरी, रविन्द्र सिंह 'राजन', शेर मोहम्मद, अमर बहादुर शुक्ल, अमरदेव सिंह, आलोक त्रिपाठी, राहुल चतुर्वेदी, गुड्डू सोनकर, राकेश पाण्डेय 'गांधियन', लालजीत पहलवान, राना सिंह, रामबचन भारती महासचिव, इसके साथ ही फिरोज खान, प्रताप नारायण मिश्र, राजेश भारती, घनश्याम जोरिया, सर्वेश शुक्ल, प्रेम सागर पाठक, वीरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र कुमार राजू, कपिलदेव यादव, विनोद रानी आहूजा, , राम सिंह, सलाहुद्दीन, गणेश दूबे, जय प्रकाश गुप्ता, अब्दुल सलाम खान, राम पूरन चौधरी, विनोद कुमार, फजले आजम, अनूप पाठक है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।